Title: Raised the issue regarding incident that had taken place between the Security Guard and the Police in relation to Shri Rajiv Pratap Rudy, Member of the Lok Sabha.

डा. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : अध्यक्ष महोद्य, मैं सदन में बहुत ही गंभीर मामला उठा रहा हूं। इस सदन के सद्स्य श्री राजी्व प्रताप रूडी के साथ रवि्वार की रात कुछ बड़े पुलि्स पदाधिकारि्यों के सुरक्षाकर्मी, उनके द्वारा शराब पीकर ....(व्यवधान)

यह बहुत ही गम्भीर मामला है। यह सां्सदों के अस्ति्व का मामला है। चाहे वि्पक्ष के लोग हों, या पक्ष के लोग होंâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh, please take your seat.

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : यह रवि्वार की रात की घटना है। श्री राजी्व प्रताप रूडी अपने परि्वार और अपनी बच्ची के साथ जा रहे थेâ€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : यह कोर्ट का मामला है न, आप कै्से उठा सकते हैं ?

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : वे अपनी गाड़ी में आ रहे थे, उनके साथ उनका सुरक्षाकर्मी था। â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This will not go on record. Only what Dr. M. P. Jaiswal speaks will go on record.

(Interruptions) *

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : कुछ दिल्ली पुलि्स के बड़े पदाधिकारि्यों के सुरक्षाकर्मी, जो वहां नि्यंत्रण कक्ष में पद्स्थापित हैं, वे लोग शराब पि्ये हुए थे। एक सुमो में चढ़कर उन लोगों ने राजी्व प्रताप की गाड़ी को धक्का मारा। जब राजी्व प्रताप रूडी ने उस गाड़ी का पीछा कि्या। मेंâ€¦(व्यवधान) आप तो बिहार में केन्द्र सरकार के मंत्री के ऊपर पत्थर फिंक्वाते हैं, आप बात कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोद्य : आप चे्यर को एड्रैस करें।

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : अध्यक्ष जी, उसके बाद राजी्व प्रताप रूडी जी ने उनकी गाड़ी का पीछा कि्या।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : आप सीनि्यर मैम्बर हैं, ऐसा नहीं बोलें प्लीज। आप बैठ जाइ्ये।

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : इनको चे्यर पर्सन से हटा दि्या जा्ये, जब हम लोगों की, माननी्य सद्स्यों की बात नहीं सुनते।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : आप बैठि्ये प्लीज।

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please sit down. You should not use such words here. They will be expunged from the record. I am expunging those remarks.

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : जब राजी्व प्रताप रूडी की गाड़ी द्वारा उनका पीछा करके उनकी गाड़ी रोकी गई तो उसके बाद उन सुरक्षाकर्मि्यों ने, जो शराब पि्ये हुए थेâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat. What is this? I have not allowed you.

डॉ. मदन प्रसाद जा्यस्वाल : राजी्व प्रताप रूडी के सुरक्षाकर्मी को पक्ड़कर, जि्सका नाम कर्ण सिंह है, उसे बुरी तरह पीटा गया। उसके बादâ€¦(व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे : रघुवंश जी, एक सां्सद की बात है, उन्हें कल पीटा गया है। यह आपके साथ या कि्सी के साथ भी हो सकता है। कम से कम उसे तो सुन लीजिए। यह एक आदमी की बात नहीं है, यह पूरे सदन की बात है और इस सदन की बात की आप अवहेलना कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोद्य : उन्हें डि्स्ट्र्ब नहीं करें, प्लीज। सदन के बारे में हम देखेंगे, आप बैठ जाइ्ये प्लीज।

श्री लाल मुनी चौबे : आप यह बात तो खत्म होने दीजिए।â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : आप भी बैठ जाइ्ये। प्रभुनाथ सिंह जी, आप भी बैठ जाइ्ये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोद्य : पहले आप बैठ जाइ्ये।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seat. Shri Nagmani, please take your seat. What is this?

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: This is not proper. Please take your seat. What is this? Hon. Member, please take your seat. This is not proper.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Nagmani, if you do not take your seat, I will take action against you. Please take your seat. What is this? There is a procedure to be followed in the House. Please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Everybody wants to disturb.

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except what Dr. M.P. Jaiswal speaks.

*(Interruptions)**

डॉ. मदन प्रसाद जायसवाल : अध्यक्ष जी, उसके बाद पुलिसकर्मियों ने उनके सुरक्षाकर्मियों को पकड़कर बुरी तरह पीटा। उसके बाद राजीव प्रताप रूडी जी गाड़ी लेकर बगल के थाने पर गये। वहां से पुलिसकर्मी आये, लेकिन जो पुलिसकर्मी उनकी सुरक्षा में आये, उन्हें भी उन पुलिस वालों ने पीटा और उसके बाद जब वायरलैस पर खबर हुई तो दो पुलिस वैन वहां पर आई। ये जितने सुरक्षाकर्मी थे, ये शराब पिये हुए थे।

यह आमोद कंठ, आर.सी. कोहली और एस. रामाकृणन् का पर्सनल स्टाफ था। वे शराब पीकर गाड़ी चला रहे थे। यह बड़ी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उनके सुरक्षाकर्मी का रिवाल्वर छीन लिया गया। पुलिस ने ऐसा व्यवहार एक सांसद के साथ किया। इस सदन में चाहे पक्ष के हों या विपक्ष के हों, सभी सांसद, माननीय सदस्य हैं। अगर किसी के साथ भी ऐसी घटना घटती है तो यह गम्भीर मामला बनता है। मैं चाहूंगा कि ऐसा पुलिसकर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: We fully support him, and we request that appropriate action should be taken against them.

डा. मदन प्रसाद जायसवाल (बेतिया) : यह सांसद के विशेाधिकार का मामला है।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, we deplore the way the hon. Member has been treated.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, हमने भी इस सम्बन्ध में नोटिस दिया है।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, you must give a direction to the hon. Home Minister because this is a matter relating to the honour of the House.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : यह लोक सभा के माननीय सदस्य की मान्यता का सवाल है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, you may please direct the Parliamentary Affairs Minister.

MR. SPEAKER: This is a serious issue. I called Shri Prabhunath Singh.

...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The hon. Home Minister must come to the House and make a statement. He must ensure the diginity of the hon. Members that this may not be repeated in future. Appropriate action must be taken. Sir, the Home Minister must come to the House.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, इस सम्बन्ध में हमने भी आपको नोटिस दिया है। गृह मंत्री जी बराबर दावा करते हैं कि देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति ठीक है। हम यह कहते हैं कि जहां गृह मंत्री जी बैठे हुए हैं, उनकी नाक के नीचे एक सांसद के साथ जिस ढंग की घटना घटी, आज रक्षक भक्षक बनता जा रहा है। उन पुलिसकर्मियों में से मात्र एक सिपाही को ही अभी तक गिरफ्तार किया जा सका है। गृह मंत्री जी को इस पर साफ बयान देना चाहिए। जो पुलिसकर्मी दोषी हैं, उनको बर्खास्त करके जेल में बंद करना चाहिए। आज राजीव प्रताप रूडी के अंगरक्षक अस्पताल में भर्ती हैं। उनको सरकारी सहायता देकर इलाज कराना चाहिए। सरकार सदन में मौजूद है इसलिए हम चाहेंगे कि सरकार इस पर बयान दे और दोषी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करके जेल में बंद करे।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The hon. Home Minister must come to the House and make a statement.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : केवल गृह मंत्री जी के बयान देने का सवाल नहीं है।â€¦(व्यवधान)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, we from the Opposition support this demand. Let the hon. Home Minister

come and make a statement on this issue. ...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGHLY): Sir, it is a very serious matter.

MR. SPEAKER: Now, the Parliamentary Affairs Minister wants to say something.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : इस सवाल पर गृह मंत्री जी से सदन में बयान कराना चाहिए। उन पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करके जेल में बंद करना चाहिए।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : It is not a political issue. It is related to the honour of the Member of the House. It must be taken very seriously.

MR. SPEAKER: Please understand that the Government is going to reply. Please have some patience.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : We do not want to politicise the issue. It is related to the honour of the Member. Sir, through you, we request that the hon. Home Minister should make a statement, and take appropriate steps immediately.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : गृह मंत्री जी इस सवाल पर सदन में आकर बयान दें। पूरा सदन इस मुद्दे पर एकमत है। पुलिस जामिया मिलिया में जाकर छात्रों के ऊपर लाठी चलाती है, इमाम के ऊपर फर्जी मुकदमा बनाकर जेल भेजने का काम करती है। आज एक सांसद राजीव प्रताप रूडी जी पर हमला हुआ है।â€¦(व्यवधान)

श्री लाल मुनी चौबे (बक्सर) : एफ.आई.आर. नोट नहीं की जा रही थी, जब हम लोगों की यह हालत है तो आम जनता की क्या होगीâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have called Shri D.P. Yadav. How can you speak? Shri Chaubey, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have called Shri D.P. Yadav. Please take your seat. How can you speak without the permission of the Chair?

â€¦(

व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Akhilesh, please take your seat. I have allowed Shri D.P. Yadav to speak.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, यह मामला किसी दल से जुड़ा हुआ नहीं है। राजीव प्रताप रूडी हमारे सदन के माननीय सदस्य हैं। माननीय सदस्य के साथ जो भी घटना घटी है, उस पर सिर्फ गृह मंत्री जी का बयान देना ही मुनासिब नहीं होगा। पुलिस ने जिस तरह की हरकत की है यह सिर्फ माननीय सदस्य की मर्यादा का ही सवाल नहीं है, पूरे सदन की मर्यादा का सवाल है। इस घटना से पूरे सदन की मर्यादा को आघात लगा है। अध्यक्ष महोदय, आप जिस आसन पर बैठे हुए हैं, यह देश के सर्वोच्च सदन का आसन है। हिन्दुस्तान में इससे बड़ा लोकतांत्रिक कोई दूसरा सदन नहीं है। इसलिए इस सर्वोच्च सदन के माननीय सदस्य के साथ अमानवीय व्यवहार, शर्मनाक व्यवहार किया जाता है और इस तरह की घटना घटती है तो यह लानत और दुख का विषय है। यह एक चिंता का विषय है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसदीय लोकतंत्र की मर्यादा घट रही है। यह सम्पूर्ण लोकतंत्र की मर्यादा का भी सवाल है। गृह मंत्री जी न केवल बयान दें, बल्कि उन सभी दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करके सदन को सूचित करें।

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष महोदय, सदन आपसे इस विषय पर व्यवस्था मांग रहा है, आप व्यवस्था दें।

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : आपने आश्वस्त किया था कि उनके बोलने के बाद मुझे भी अवसर देंगे। एक मिनट में मैं अपनी बात कह दूंगा।

MR. SPEAKER: Please understand the situation. There are 30 notices given by Members who are interested in raising very important issues.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : स्वाभाविक है क्योंकि इस सदन के माननीय सदस्य के साथ इस तरह की घटना हुई है, हम अपनी भावनाएं निश्चित रूप से व्यक्त करना चाहेंगे।

MR. SPEAKER: How many Members can I allow on the same issue?

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : मेरा अनुरोध है कि एक मिनट मुझे कहने का मौका दे दें।

MR. SPEAKER: The Government is going to reply to this.

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी : इसके बाद सरकार रिप्लाई दे देगी।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठे जाएं, सरकार जवाब दे रही है।

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : आज मैंने भी समाचार पत्र में इस सदन के सम्मानित सद्स्य राजीव प्रताप रूडी के सम्बन्ध में जो घटना घटी, वह पढ़ी है। निश्चित रूप से हम सबके लिए यह चिंता का विाय है कि संसद सद्स्य की गाड़ी को ठोक कर कुछ पुलिसकर्मी आगे चले जाएं और संसद सद्स्य को उसका पीछा करना पड़े। यह अपने आप में बहुत ही गम्भीर घटना है। निश्चित रूप से हम इसकी जांच करेंगे। इसमें अपराधी को सजा दी जाएगी। मैं स्वयं इस बात को गृह मंत्री जी के पास रखूंगा। मुझे एक दिन का समय दीजिए, उसके बाद क्या हुआ, यह मैं कल आकर सदन में बताऊंगा।

श्री प्रभुनाथ सिंह : उन्से पूछें कि घटना कैसे घटी।

SHRI RAJIV PRATAP RUDY (CHHAPRA): Sir, it is most embarrassing for me to get up in the House and say that such a thing has happened to me. In fact it had happened on Sunday night. I thought I should get out of it because it involved me. I think I have the sympathy of most of the Members.

Generally what happens when a Member of Parliament is involved in such an incident is that the finger points straight towards to him. It is said that he must have used his official position to take advantage of that situation. That was the fear because of which I was holding myself back. In the incident that had taken place, I was coming back after attending a reception. I had met Shri Chandrashekhar also in that particular reception. While coming back, I was travelling with my eight-year old daughter. That was when a particular gentleman in a drunken state, travelling in a Tata Sumo, banged my car.

Since there have been problems with me earlier in my State, my PSO was suspicious and he said that we must follow that car. That gentleman who was driving that car and the people with him, broke and crossed every possible red light at tremendous speed and the point where they reached --because we could not overtake them -- we stopped our car. He got down at his own PS where he was protected, shouted at people and then brandished whosoever was there. And, then, we were immediately surrounded by 12 to 14 people armed with sticks and rods.

That was the time my PSO asked me to run for my life. I was not hurt. I ran for my life. I collected my daughter. Then I jumped in the car and went to the nearest police picket which was located at R.K. Puram. There, I requested the beat constable saying that 'my PSO is being attacked violently.' That gentleman with his stick and his pistol went to that point. Then meanwhile, all these people had dragged away my PSO to a room. They were almost beating him. This particular beat constable was chased away by them. When I went back to the same picket, I caught hold of that wireless system there, took the code of the wireless station and started wirelessing myself. Thereafter, the first PCR van came. These people also chased away that PCR van. It was only after 15 minutes that 10 to 15 jypsies came. But in the meanwhile, all these people dragged him and kept my PSO confined to their room. I was not hurt. But till that time, till all these officers reached and continuously kept on surrounding me, I was amazed to see that strength which they were using. It was only at the later stage I came to know that since all of them were police constables or relatives of police constables or senior officials of Delhi Police that they had taken the liberty of assaulting me.

Sir, my PSO is still admitted in the Safdarjung Hospital in a terrible state. His four ribs are broken. His left arm is damaged.

The only thing which I want to plead, Sir, is that I wanted to refrain because I was a Member of Parliament. If we had made the shoot out or if we had done anything, the entire blame would have fallen on me as a Member of Parliament from BJP performing this act. That was the reason I refrained. My PSO even asked for permission to defend himself. I said, 'you could not do this because this can cause problem to us.'

Sir, in this case, till 4.30 in the morning I was there in the police station. The most amazing part is that all these people who had assaulted that constable came to the police station. When I went to see my PSO in Safdarjung Hospital, they accompanied me and hurled abuses. Even though, when the SHO was present, this kept on happening . I was the sole man in the morning at 4 o'clock. I will lodge this complaint. My PSO is still admitted.

Sir, whatever I have quoted are bare facts of the episode. I feel embarrassed and hurt to make such a statement in the House.

MR. SPEAKER: Hon. Members, after hearing all the hon. Members, the incidents of this nature are very serious. It is regrettable. The Government should look into these kinds of serious incidents with utmost care.

...(*Interruptions*)

डा. रघुवंस प्रसाद सिंह : महोदय, यह विशेाधिकार का मामला बनता है â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad, please take your seat.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri J.S. Brar says.

*(Interruptions)**